डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली
हृदय रोग विभाग
कार्डियक कैथ प्रोयगशाला

<u>बहुधा पूछे जाने वाले प्रश्न (एफ ए क्यू)</u>

1. कोरोनरी एंजियोग्राफी क्या है?

उत्तर - यह एक जाँच है जिसके द्वारा हृदय की धमनियों में रूकावट का पता लगाया जाता है।

2. कोरोनरी एंजियोग्राफी कैसे की जाती है?

उत्तर - यह जाँच स्थान विशेष में निश्चेतना (लोकल एनीस्थिसिया) देकर की जाती है। इसके लिए कलाई अथवा जाँघ की धमनी में सुई द्वारा छेदकरके कैथिटर लगाया जाता है और कैथिटर को हृदय तक पहुँचाया जाता है। उसके बाद कैथिटर द्वारा हृद-धमनी में कंट्रास्ट एजेंट दिया जाता है और एक्स-रे फोटो ली जाती हैं इससे हृदय की रक्त धमनियों में रूकावट देखी जाती है यह एक जाँच मात्र है इससे रूकावट दूर नहीं होती। इस पूरी प्रक्रिया में केवल 20 मिनट का समय लगता है। रोगी को उसी दिन छुट्टी दे दी जाती है।

3. स्टेंट क्या होता है?

उत्तर - यह धातु की तार से बनी जाली होती है जो रूकावट दूर करने में सहायक होती है। यह विभिन्न बनावटों में उपलब्ध होती है। यह केवल धातु से बनी भी हो सकती है और दवा की परत चढ़ी अथवा दवा की बिना परत चढ़ी भी हो सकती है। दवा की परत चढ़ी होने से स्टेंट की जगह पुनः रूकावट पैदा होने का संभावना कम हो जाती है।

4. हृदय में स्टेंट कैसे लगाया जाता है?

उत्तर - जब हृदय की धमनी में 70% अथवा उससे अधिक रूकावट पैदा हो जाती है तब रक्त के प्रवाह में भी रूकावट आने लगती है। कुछ मामलों में, जहाँ उचित लगे इस रूकावट को स्टेंटिंग सहित बैलून एंजियोप्लास्टी करके शल्यक्रिया के बिना भी खोला जा सकता है। इस प्रक्रिया में एक तार अवरोध के आर-पार निकाली जाती है, इस तार के सिरे में बैलून लगा होता है। बैलून को अवरोध के आर-पार फुलाया जाता है ताकि रास्ता बन सके। अवरोध की

कंट्रास्ट एजेन्ट

जगह के ठीक ऊपर स्टेंट लगा बैलून लगाया जाता है और फिर बैलून को ~~हवा~~ भर कर फुलाया जाता है। बैलून के फूलने से स्टेंट एक फ्रेम की तरह काम करने लगता है और अवरोध को खुला रखता है। स्टेंट को शरीर में ही रहने दिया जाता है जो धीरे-धीरे समय के साथ शरीर का हिस्सा बन जाता है। रोगी को अगले दिन छुट्टी दे दी जाती है।

5. इस प्रक्रिया में कितनी लागत आती है?

उत्तर - केवल धातु के स्टेंट की कीमत रु. 8319/- है। दवा की परत चढ़े स्टेंट की कीमत 20,000/-, 23625/- एवं 31250/- रुपये प्रति यूनिट है। ये भारत, यूरोप में बने और सी ई मार्क युक्त अथवा यू एस एफ डी ए अनुमोदित हो सकते हैं। स्टेंट का अधिकतम मूल्य भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है।

स्टेंट की कुल कीमत में 20,000/- रुपये और जोड़े जाते हैं। यह स्टेंट के अतिरिक्त प्रक्रिया में प्रयोग होने वाली अन्य मदों की कीमत होती है।

6. भुगतान की क्या प्रक्रिया है?

उत्तर - रोगी को लिखित आकलन (एस्टीमेट) दिया जाता है यह राशि चिकित्सा अधीक्षक के नाम बैंक काऊंटर पर जमा करवानी होती है, अथवा डिजिटल ट्रांजेक्शन द्वारा जमा करवाई जा सकती है।

7. गरीब रोगियों के लिए कोई सुविधा?

उत्तर - दिल का दौरा पड़ने जैसी आपात् स्थिति में गरीब रोगियों की दवायुक्त स्टेंट सहित प्राथमिक एंजियोप्लास्टी निःशुल्क की जाती है।

गरीबी रेखा से नीचे आने वाले रोगी गैर-आपातकालीन स्थिति में भारत सरकार के नेशनल इलनैस असिस्टेंस फंड से हितलाभ प्राप्त कर सकते हैं।